जगद्गुरु श्रीगौरकिशोर दास बाबाजी महाराज

(शिक्षा समन्वित जीवनी)

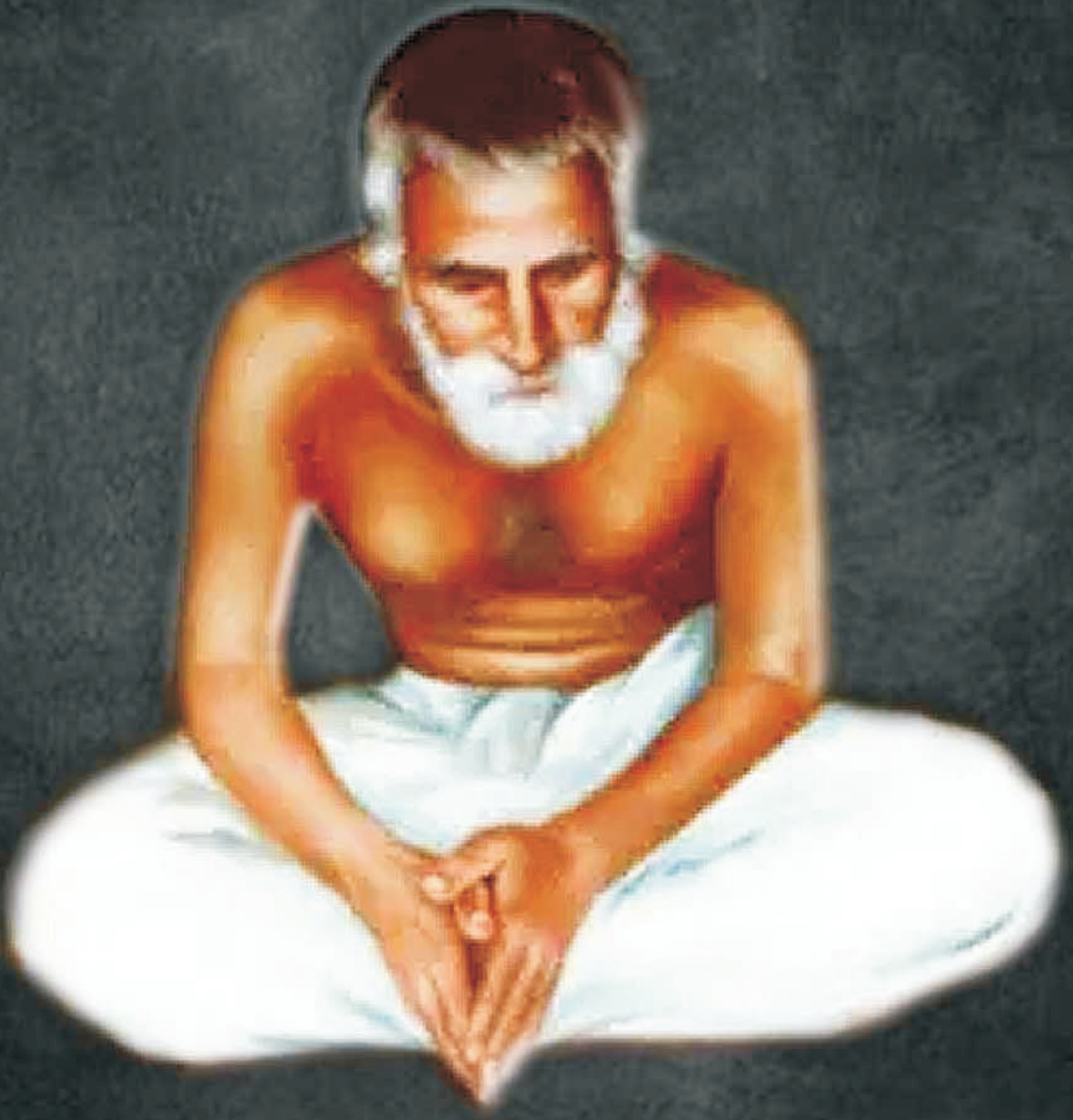

श्रील प्रभुपाद भक्ति सिद्धान्त सरस्वती ठाकुर जी की दिव्य लेखनी से संकलित

SGD

जगद्गुरु श्रीगौरकिशोर

छिपकर अत्याचार

श्री श्रीगुरु-गौरांगौ जयतः

कुलिया-नवद्वीप-वासी, एक चतुर कौपीनधारी और विशेष सम्मानित पण्डित-बाबाजी के आन्तरिक चरित्र से अत्यन्त मर्माहत होकर, श्रील गौरकिशोर दास बाबाजी महाराज एक दिन कौपीन-बहिर्वास परित्याग करके उत्कृष्ट कपड़े की सूक्ष्म धोती और चादर ओढ़कर स्वानन्द

सुखदकुंज मे श्रील भक्तिविनोद ठाकुर के पास आये। बाबाजी महाराज के इस हैरान कर देने वाले वेष परिवर्तन को देखकर श्रील भक्तिविनोद ठाकुर ने इसका कारण पूछा। इसके उत्तर में श्रील गौरकिशोर दास बाबाजी महाराज ने कहा– "हम लोग श्रीचैतन्य का वेष ग्रहण करके गुप्तरूप से परस्त्रीसंग करने में पीछे नहीं हठते। इसीलिए मैं यह वेष ग्रहण करके, छिपकर व्यभिचार करने की अपेक्षा,

विलासी वृषलीपति {शूद्र स्त्री का पति} के समान वेष ग्रहण करके अन्ततः कपटता से मुक्त रहूँगा।" श्रील बाबाजी महाराज का इस प्रकार का कौशलपूर्ण व्यवहार, भ्रष्टाचारी सम्प्रदाय की धर्मध्वजिता के ऊपर लाठी से प्रहार है।

श्रीलगुरुदेव